ment Authority (APEDA), who would monitor the export of sugar under the new system.

The monthend end stock position as on July, 1995 and December, 1996 was about 71.77 lakh tonnes and about 73.71 lakh tonnes respectively.

The quantity of sugar exported and the average per metric tonne prices of sugar exported are as under:—

Financial year	Quantity (in lakh tonnes)	Price of sugar exported (in rupees PMT)
1995-96	4.49 (P)	Rs. 13680.32 (P)
1996-97 (upto 31.1.97)	7.61 (P)	Exports in progress.

(P) means Provisional

Sugar has been exported to Pakistan, Indonesia, Sri Lanka, Russia, Bangaladesh, Kenya, Yemen, Myannar, Eritrea, Jordan, Dubai, Maldives, Aden Somalia, and Ealman etc.

आयातित गेहूं की किस्म

182. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या खाघ मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने भारी मात्रा में गेहूं का आयात किया हैं

(ख) यदि हां, तो क्या गेहूं के आयात के संबंध में लिए गए निर्णय में आयातित गेहूं की किस्म और मात्रा को ध्यान में रखा गया था,

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं.

(घ) क्या यह सच हैं कि आयातित गेहूं की किस्म बहुत ही घटिया हैं.

(ड) यदि हां, तो क्या सरकार ने, यह सुनिश्चित करने के लिए कि घटिया किस्म का गेहूं आयात न किया जाए, कोई कदम उठाए हैं,

(च) क्या सरकार इस तथ्य की पृष्टि करने के लिए कि आयातित गेहूं घटिया किस्म का नहीं हैं, एक उच्च स्तरीय जाचं कराने का विचार रखती हैं, और

(छ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं?

खाद्य मंत्री तथा नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजानिक वितरण मंत्री (श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव) : (क) से (ड.) 1996-97 के दौरान हुए गेहूं के कम उत्पादन और पारिणामस्वरूप केन्द्रीय पूल के लिए गेहूं की वसूली में कमी और घरेलू बाजार में गेहू और गेहूं उत्पादों के मूल्यों में वृद्वि की प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए सरकार ने देश में गेहू की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए भारतीय राज्य व्यापार निगम को 2 मिलियन टन तक गेहूं का आयात करने के निर्देश दिए हैं। भारतीय राज्य व्यापार निगम ने आस्ट्रेलिया, कनाडा, और अर्जेन्टीना से अब तक 16.75 लाख टन गेहूं आयात करने का ठेका किया हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त सावधानियां बरती गई हैं कि आयातित गेहूं खाघ अपमिश्रण निवारण अधिनियम में निर्धारित किए गए पैरामीटर और भारत सरकार द्वारा निर्धारित सफाई और संररोध संबंधी मानदण्डो के अनुरूप हों। आयात के ठेकों की शर्तो के अनुसार, कनाडा और आस्ट्रेलिया में जहाज में लादे जाने वाले गेहूं के लदान से पूर्व सरकारी एजेंसियों द्वारा और अर्जेन्टीना के मामले में अंतराष्ट्रीय साख वाले गुणवत्ता सर्वेक्षको द्वारा गुणवत्ता की जांच की जाएगी। इसके अतिरिक्त हाल ही में यह भी निर्णय किया गया हैं कि लदान से पूर्व गुणवत्ता संबंधी जांच करने के लिए भारतीय खाघ निगम राज्य व्यापार निगम और खाघ मंत्रालय के गुणसवत्ता विशेषज्ञों के सयुक्त दल आस्ट्रेलिया, कनाडा और अर्जेन्टीना भेंजे जाएं।

(च)और (छ) प्रश्न नहीं उठते।

Bungling by FCI

184. SHRI 6.P. KOHLI: Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news report ap-

pearcd in the Indian Express dated 26th December, 1996 under the caption "FCI bungled, failed to transport wheat";

(b) if so, whether any action has been taken to look into this bungling on the part of the FCI and action taken against the officials guilty thereof; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF FOOD AND MINISTER OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION (SHRI DEVENDRA PRASAD YADAV): (a) Yes, Sir.

(b) The report was looked into and found without substance. Its main thrust that wheat stocks had not moved from Punjab and Haryana to the deficit States like West Bengal, Maharashtra and Kerala and as a result, the PDS commitments had not been met, was found incorrect. During 1996, 97.72 lakh tonnes of wheat was moved ex. North compared to 74.86 lakh tonnes in 1995, which was 30.5% higher. The other contention that concessional PDS rates of wheat had benefited traders and millers cartels, is also, untrue. No evidence of building by FCI officials was found.

(c) Question does not arise.

Wheat import and its impact on Domestic Market

185. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) the quantity of wheat imported by the Government since the beginning of the year 1997;

(b) the rate at which the contracted wheat has been imported or being imported vis-a-vis the prices in the international market;

(c) the total expenditure (in foreign exchange) to be incurred by Government on the wheat imports; and

(d) the likely impact of import on the wheat prices in the domestic market and its overall impact on the consumers?

THE MINISTER OF FOOD AND MINISTER OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION (SHRI DEVENDRA PRASAD YADAV): (a) and (b) Government has decided to import upto 2 million tonnes of wheat to augment its availability in the domestic market. In pursuance of the decision the State Trading Corporation of India has so far contracted for import of 16.75 lakh tonnes of wheat at the rates indicated below:—

Country	Contracted price in US $ PMT	Prices quoted in International market (US $ PMT)
Australia	148—156 (FOB)	199.50—205.00 (FOB)
Canada	152.50 (FOB)	191.00 (FOB)
Argentina	173.00 (C&F)	144.00 (FOB)

The quantity of wheat that has already arrived is 4.36 lakh M.T. upto 20.2.97.

(c) and (d) The total foreign exchange expenditure on the quantity contracted so far is provisionally estimated at approx. US $ 290 Million.

The imported wheat stocks are expected to have a salutary effect in containing the open market prices of wheat.

खाघान्नों पर दी जाने वाली राजसहायता में निरन्तर वृद्धि

186. **श्री राम जेठमलानी** : क्या खाघ मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या गत वर्षो के दौरान खघान्नों पर दी जाने वाली सहायता में निरन्तर वृद्धि हुई हैं,